सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय रूर्बन मिशन
(NRuM)

छत्तीसगढ़ शासन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

नवा रायपुर, अटल नगर, छत्तीसगढ़

लोहरसी क्लस्टर , धमतरी

ग्राम पंचायत	13
कुल ग्राम	14
विकास खण्ड	धमतरी
क्लस्टर की तहसील मुख्यालय से दूरी	10 कि.मी.
कुल जनसंख्या	34,777
कुल परिवार संख्या	7,373
कुल क्षेत्रफल	7,824 हेक्टेयर
कुल कृषि योग्य भूमि	443.97 हेक्टेयर
साक्षरता दर	69%

लोहरसी क्लस्टर अंतर्गत विशिष्ट कार्यो की झलक

- एक्वाडक्ट द्वारा सिंचित क्षेत्र में वृद्धि
- सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित हाट–बाजार
- “V” वायर तकनीक युक्त इंजेक्शन वेल निर्माण
- तालाब सौन्दर्यीकरण
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र एवं संचालन
- ई–रिक्शा से आजीविका
- जैविक कृषि (NPM) दुकान
- आदर्श आंगनबाड़ी

सिचांई हेतु एक्वाडक्ट निर्माण

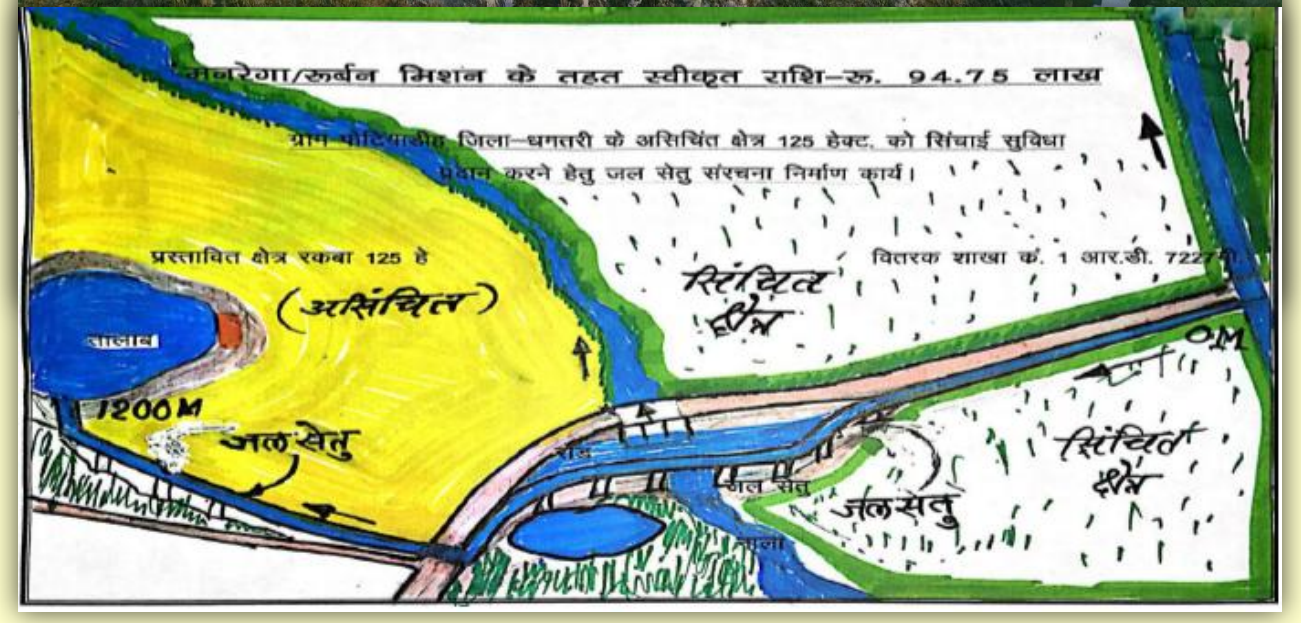

- असिंचित रक्बे को सिंचाई व्यवस्था से जोड़ना
- कुल लागत – 94.75 लाख
- रूर्बन मिशन – 57.25 लाख
- अभिसरण (मनरेगा)– 37.50 लाख
- लाभ :–

– कुल 118 किसान

– कुल भूमि 125 हेक्टेयर,

– अंसिचित कृषि भूमि पर आश्रित किसानों को द्विफसलीय कृषि करने हेतु सिंचित भूमि उपलब्ध हो पायेगी

–कृषकों की उत्पादकता बढ़ेगी।

समाचार प्रकाशन

एक्वाडक्ट निर्माण से 125 हेक्टेयर असिंचित भूमि को मिली सिंचाई सुविधा

पोटियाडीह के 118 किसानों के चेहरे पर चमक

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

जिला मुख्यालय से महज छः किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पोटियाडीह में रूर्बन मिशन एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अभिसरण से निर्मित एक्वाडक्ट से 125 हेक्टेयर असिंचित भूमि को सिंचाई की सुविधा मिल रही है। एक्वाडक्ट प्रोजेक्ट लेने का तात्पर्य यह है कि गांव के असिंचित रकबे को सिंचाई व्यवस्था से जोड़ना। जिले में किसानों को कृषि कार्य हेतु महानदी स्थित रविशंकर शुक्ल बांध से नहर के माध्यम से सिंचाई हेतु जल की व्यवस्था की जाती है। इसी तरह ग्राम पोटियाडीह में भी जल का वितरण शाखा क्रमांक 01 से किया जा रहा था किंतु गांव के एक हिस्से में नहर के माध्यम से पानी की पहुंच संभव नहीं हो पा रही थी। किसानों को सिंचाई हेतु अन्य व्यवस्था जैसे नलकूप आदि पर रहना पड़ता था। किसानों की कई वर्षों की मांग पूर्ण हुई और एक दिन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना

एवं रूर्बन योजना के तहत 94.75 लाख रूपये की स्वीकृति मिली।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धमतरी विजय दयाराम के. ने बताया कि रूर्बन मिशन के तहत ग्राम पोटियाडीह में 14 घटकवार ग्राम स्तर पर कार्ययोजना बनाते समय ग्रामीणों की ओर से सिंचाई व्यवस्था हेतु मांग की गई थी। ग्रामीणों की जायज मांग को गंभीरता से लेते हुए एक्वाडक्ट का निर्माण किया गया। अब धमतरी क्षेत्र में महानदी मुख्य नहर से सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। सिंचाई की सुविधा मिल जाने से पोटियाडीह के किसानों में काफी उत्साह है। कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों के माध्यम से लाभान्वित किसानों को धान के अलावा अन्य नगदी फसलों के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है जिससे आने वाले समय में पानी का सही एवं कम उपयोग कर किसानों की आय में बढ़ोत्तरी की जा सके।

किसानों की वर्षों पुरानी मांग पूरी

ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती उर्मिला साहू ने बताया कि पोटियाडीह के किसानों ने कई वर्षों से 125 हेक्टेयर हेतु सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की मांग कर रहे थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धमतरी ने कृषकों की मांग को गंभीरता से लेते हुए स्थल सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए। सर्वेक्षण के उपरांत पोटियाडीह क्षेत्र से 1.20 किलोमीटर पूर्व में महानदी मुख्य नहर के वितरक शाखा–एक स्थित है जिसकी आर.डी. 7227 मीटर पर नहर का बहाव स्तर 317.37 मीटर है और असिंचित क्षेत्र का औसत भू–स्तर 314.00 मीटर है। इस स्थिति में उस क्षेत्र में जल प्रवाह किये जा रहे हैं, परन्तु इस क्षेत्र के 1.20 किलोमीटर के बीच आर.डी. 600 मीटर में एक नाला दक्षिण से उत्तर की ओर बहता है। जो सामान्य भू–स्तर से लगभग 2.50 मीटर नीचे है। वहीं 1200 मीटर का जलसेतु एक्वाडक्ट संरचना बन जाने से 125 हेक्टेयर असिंचित क्षेत्र में 118 किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो रही है। एक्वाडक्ट के समीप गांव का एक बड़ा तालाब है, जिसमें कुलापा बनाकर लगभग 125 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि को सिंचित किया जा सकेगा।

सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित हाट–बाजार

•कुल लागत – रू. 20.00 लाख
•रूर्बन मद – रू. 12.00 लाख
• अभिसरण (मनरेगा) – रू. 08.00 लाख

• हॉट बाजार में बरसात के मौसम में कीचड़ की तकलीफ से मुक्ति
• मनोहर चित्रकारी से बाजार हुआ आकर्षण का केंद्र
• प्रकाश व्यवस्था की उपलब्धता होने से देर तक चलता बाजार
• समझाइश देने के बाद विक्रेतागण हाट–बाजार के आस–पास स्वच्छता का भी ध्यान रखते हैं

• सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित हाट–बाजार बनने से ग्रामीणों को साप्ताह भर के लिए हरी सब्जीयॉ उपलब्ध हो जाती है
• ग्रामीणों को शहर की ओर रूख करने की अब आवश्यकता नहीं पड़ती।

भानपुरी – हाट

समाचार प्रकाशन

जिले में राष्ट्रीय रुर्बन मिशन के तहत किया गया है निर्माण

भानपुरी में बना सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित हाट–बाजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

ग्रामीण क्षेत्रों में हाट–बाजार का विशेष महत्व है। धमतरी जिले में राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के अंतर्गत लोहरसी कलस्टर के ग्राम पंचायत भानपुरी में राशि 20 लाख रूपये की लागत से सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित हाट–बाजार का निर्माण किया गया है। इस हाट–बाजार का मुख्य उद्देश्य है, ग्रामीणों द्वारा उत्पादित हरी साग–सब्जी एवं लोगों की आवश्यकता की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना। राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के अंतर्गत बने इस हाट–बाजार को पंचायत द्वारा एक वर्ष के लिए 35000 रूपये की दर से नीलाम किया गया है। उक्त राशि का उपयोग ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम संबंधित विभिन्न विकास कार्यों के उपयोग के लिए किया जा रहा है।

इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजय दयाराम के. ने हाट–बाजार के रख–रखाव व सौंदर्यीकरण बनाये रखने पर विशेष जोर दिया। ज्ञात हो कि जिले के पांच ग्राम पंचायत देमार, परसतराई, खपरी, भानपुरी, तेलीनसत्ती में रूर्बन मिशन योजना अंतर्गत पूर्व निर्मित ग्रामीण हाट–बाजार को 1,75,000 रूपये की लागत से पोताई एवं आकर्षक चित्रकारी से सजाया–संवारा जा रहा है।

ग्राम पंचायत भानपुरी सरपंच श्रीमती उत्तरा साहू ने बताया कि वर्ष 2017–18 में राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के अंतर्गत हाट–बाजार का निर्माण किया गया है। यहां प्रति बुधवार को साप्ताहिक बाजार लगता है जिसमें आस–पास के फुटकर सब्जी विक्रेता अपने जीवकोपार्जन हेतु एक ही स्थान में बाजार लगाकर अपनी आमदनी के जरिया को बढ़ा रहे हैं। ग्रामीणजनों को सुविधा के साथ–साथ जरूरत की चीजें एक ही स्थान में उपलब्ध होने लगी हैं जिससे ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय रूर्बन मिशन अंतर्गत कराये जा रहे विभिन्न विकास कार्यों द्वारा ग्रामों को शहरों में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलने लगा है।

वहीं ग्रामीण संतकिरण, छबिलाल साहू, सुन्दर ध्रुव ने बताया कि हाट–बाजार के निर्माण से ग्रामीणों को उपयुक्त स्थान पर अनेकानेक प्रकार की ताजी एवं हरी सब्जियों की उपलब्धता होती है, जिसकी वजह से उन्हें सब्जियों के क्रय हेतु शहर की ओर रूख नहीं करना पड़ता तथा सब्जी विक्रेताओं को विक्रय हेतु सुव्यवस्थित स्थान मिल जाने के कारण विशेष रूचि देखने को मिल रही है।

“V” वायर तकनीक से निर्मित इंजेक्शन वेल

परसतराई ग्राम

- रूर्बन मिशन अंतर्गत कुल लागत रूपये 3.98 लाख के सी. जी. एफ. मद से ग्राम परसतराई में “V” वायर तकनीक से निर्मित इंजेक्शन वेल की स्थापना की गयी है।

- वर्षा जल को भू–जल संर्वधन हेतु इंजेक्शन वेल के माध्यम से संचय करने की पद्धति वर्तमान में विश्व स्तर पर प्रचलित पद्धति है।

समाचार प्रकाशन

रूर्बन क्लस्टर लोहरसी में इंजेक्शन वेल पद्धति से होगा जल का संचय

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

कुछ दशक पहले कल्पना करना भी कठिन था कि एक दिन हमें पेयजल खरीदने की आवश्यकता पड़ सकती है। इससे पहले जल के उपयोग की कभी गणना भी नहीं की गई परन्तु अब समय आ गया है कि जल के उपयोग एवं उसके परिवर्तित स्वरूप को महत्व दिया जाए। ऐसी स्थिति में जल संरक्षण अर्थात भविष्य के उपयोग हेतु वर्षा जल का संचय एक पुरानी स्थापित पद्धति है। तकनीकी रूप से जल संरक्षण वर्षा जल को व्यर्थ बहने की अपेक्षा जल ग्रहण क्षेत्र से संचय करने की पद्धति है।

हम बात कर रहे हैं लोहरसी ग्राम में बने इंजेक्शन वेल पद्धति की। जिले में धमतरी विकासखंड के रूर्बन क्लस्टर ग्राम लोहरसी में "व्ही" वायर तकनीक इंजेक्शन वेल रिचार्ज पद्धति से भू-जल का संवर्धन एवं संरक्षण किया जाएगा। ज्ञात हो कि वर्षा जल का भू-जल संवर्धन हेतु इंजेक्शन वेल

विश्वस्तर की तकनीक से भू-जल संवर्धन की कवायद

के माध्यम से संचय करने की पद्धति वर्तमान में विश्व स्तर पर चल रही है। लेकिन यह कार्य मॉडल के तौर पर ग्राम पंचायत लोहरसी में रूर्बन मिशन द्वारा किया गया है।

ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती चंद्रकिरण साहू ने बताया कि मॉडल के तौर पर राष्ट्रीय रूर्बन मिशन योजनांतर्गत राशि 3.98 लाख रूपये की लागत से इंजेक्शन वेल वाटर रिचार्ज पद्धति का निर्माण किया गया है। इससे वर्षा जल के संरक्षण के साथ भू-जल स्तर में वृद्धि होगी तथा ग्रीष्म ऋतु में जल की कमी नहीं रहेगी।

क्या है इंजेक्शन वेल पद्धति

इस संबंध में जिला सीईओ विजय दयाराम के. ने बताया कि इंजेक्शन वेल पद्धति से पथरीली सतह से जल को 1200 मिमी गहरे एवं 900 मिमी गोलाई वाले सिल्टवेल में व्यपवर्तित किया गया है। ▶▶ शेष पेज 12 पर

इंजेक्शन वेल पद्धति से होगा बारिश के पानी का संचय

■ नवभारत समाचार | धमतरी.

कुछ दशक पहले कल्पना करना भी कठिन था कि एक दिन हमें पेयजल खरीदने की आवश्यकता पड़ सकती है. इससे पहले जल के उपयोग की कभी गणना भी नहीं की गई परन्तु अब समय आ गया है कि जल के उपयोग एवं उसके परिवर्तित स्वरूप को महत्व दिया जावें. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम में विश्व के विकासशील क्षेत्र में जल की सीमित होती मात्रा के बारे में सचेत किया गया है. जनसंख्या वृद्धि, गौरवानिकी कार्य तथा जल के अत्यधिक दोहन से भू-जल स्तर में चिंतनीय गिरावट आयी है. जल संकट एक वास्तविक सच्चाई है जिसकी अब उपेक्षा नहीं की जा सकती. ऐसे स्थिति में जल संरक्षण अर्थात भविष्य के उपयोग हेतु वर्षा जल का संचय एक पुरानी स्थापित पद्धति है. तकनीकी रूप से जल संरक्षण वर्षा जल को व्यर्थ बहने की अपेक्षा जल ग्रहण क्षेत्र से संचय करने की पद्धति है. संपत्ति की सीमा, भवनों के छतों अथवा धरातल

पहल

- रूर्बन क्लस्टर ग्राम लोहरसी में जल संरक्षण के लिए पहल
- वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोकने किया जा रहा उपाय

जैसे जल ग्रहण क्षेत्र जल संचय के माध्यम से किया जा रहा है. हम बात कर रहे है लोहरसी ग्राम में बने इंजेक्शन वेल पद्धति की. जिले में धमतरी विकासखंड के रूर्बन क्लस्टर ग्राम लोहरसी में व्ही वायर तकनीक इंजेक्शन वेल रिचार्ज पद्धति से भू-जल का संवर्धन एवं संरक्षण किया जायेगा. ज्ञात हो कि वर्षा जल का भू-जल संवर्धन हेतु इंजेक्शन वेल के माध्यम से संचय करने की पद्धति वर्तमान में विश्व स्तर पर चल रही है. लेकिन यह कार्य मॉडल के तौर पर ग्राम पंचायत लोहरसी में रूर्बन मिशन के द्वारा किया गया है. जल संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए भू-जल स्तर में तत्काल संवर्धन करने एवं वर्षा जल को व्यर्थ

बहने देने की अपेक्षा संचय कर भू-जल संवर्धन करने के सभी आवश्यक उपाय किये जा रहे हैं. इस संबंध में मुख्य कायपालिन अधिकारी विजय दयाराम के. ने बताया कि इंजेक्शन वेल पद्धति से पथरीली सतह से जल को 1200 मि.मी. गहरे एवं 900 मि.मी. गोलाई वाले सिल्टवेल में व्यपवर्तित किया गया है. सिल्टट्रेप में पानी में घुले मिट्टी के कण नीचे स्तर पर जमा हो जाते हैं. तथा रेत व्ही वायर छन्नी से छनकर वर्षा जल पाइप के माध्यम से इंजेक्शन वेल में प्रवाहित होता है. इंजेक्शन वेल 1350 मि.मी. गोलाई का चार मीटर इंजेक्शन वेल के निचली सतह के केन्द्र में 200 मीटर व्यास का बोर किया गया है. जो लगभग 60 मीटर गहराई तक खुदा है. इस 200 मि.मी. व्यास वाले बोर के अंदर 150 मि.मी. का छिद्रित पाईप 60 मीटर की गहराई तक डाला गया है. तथा इस पाईप के चारों ओर 10 मि.मी. की बजरी डाली गई है. छिद्रित पाईप के सबसे ऊपरी भाग में एक वायर छन्नी लगी है. जिससे इंजेक्शन वेल में एकत्रित साफ वर्षा जल पुनः छनकर पाईप छिद्रों के माध्यम से नीचे पोरस चट्टानों में चला जाता है तथा भू-जल के रूप में एकत्रित हो जाता है. इंजेक्शन वेल पद्धति में, छतों से तथा सतह के वर्षा जल पांच चरणों में विशेष फिल्टर से होकर भू-जल के रूप में संचय होता है.

3.98 लाख में रिचार्ज पद्धति का निर्माण

सीईओ जिला पंचायत के दयाराम ने बताया कि एक एकड़ के क्षेत्र में 100 मि.मी. वर्षा होने पर, वर्षा के सतही प्रभाव के अतिरिक्त लगभग 30 हजार लीटर वर्षा जल का संचय भू-जल के रूप में किया जा सकता है. ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती चंद्रकिरण साहू ने बताया कि मॉडल के तौर पर राष्ट्रीय रूर्बन मिशन योजनांतर्गत राशि 3.98 लाख रूपये की लागत से इंजेक्शन वेल वाटर रिचार्ज पद्धति का निर्माण किया गया है. इससे वर्षा जल के संरक्षण के साथ भू-जल स्तर में वृद्धि होगी तथा ग्रीष्म ऋतु में जल की कमी नहीं रहेगी.

तालाब सौन्दर्यीकरण

तालाब सौन्दर्यीकरण

- कुल लागत – रू. 19.48 लाख
- रूर्बन मद – रू. 14.79 लाख
- अभिसरण (मनरेगा) – रू. 4.68 लाख

तालाब सौन्दर्यीकरण अंतर्गत कार्य

- शेल्टर,
- बैठने के लिये सीमेंट की कुर्सियॉ
- किनारे पर चारों ओर कॉज–वे एवं
- एल.ई.डी. लाइट

ग्राम भानपुरी

खबरों में चमकता मुजगहन

मुजगहन के शीतला तालाब में रनिंग ट्रैक के साथ बैठने के लिए चबूतरा।

बारिश का पानी भरने इनफ्लो व आउट फ्लो का हुआ निर्माण।

भरी गर्मी में भी लबालब भरा शीतला तालाब।

कलस्टर रुर्बन योजना में तालाब बन रहा सरोवर

चमकने जा रहा मुजगहन का शीतला तालाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

कलस्टर रुर्बन मिशन के तहत मुजगहन के शीतला तालाब का कायाकल्प हो रहा है। तालाब में पचरीकरण, चित्रकला, एलईडी लाइट व्यवस्था, ट्रेकिंग, एथलेटिक ट्रे, शो पीस पौधे, किनारे में सीमेंट चबूतरा बनाया गया है। इससे सुंदरता तो बिखरेगी, साथ ही तालाब में कचरा डालने, गंदगी फैलाने जैसी समस्या भी दूर होगी। मार्निंग-इवनिंग वाक में भी ग्रामीणों का रुझान बढ़ेगा। अभी भी युवा, बुजुर्ग दिन हो या रात, यहां फुर्सत के पल गुजार रहे हैं। मुजगहन के सरपंच होमेश्वर साहू बताते हैं कि धमतरी ब्लाक के रुर्बन मिशन के लिए चयनित मुजगहन के शीतला तालाब का सौंदर्यीकरण हो रहा है। अब तक 10 लाख के आसपास खर्च हो चुके हैं। 10 लाख और मिलना है जिससे बचे हुए कामों को पूरा किया जाएगा। भीषण गर्मी में भी तालाब में पानी निस्तारी के लिए बचा हुआ है। तालाब के चारों ओर सीसी रोड का निर्माण किया गया है। जहां ग्रामीण सुबह शाम वाक करने आते हैं। तालाब के किनारे दो चबूतरे का निर्माण हुआ है। शोपीस व छायादार पौधे लगाए गए हैं। स्वच्छता की ओर आकर्षित करने पेंटिंग्स-होर्डिंग्स लगाया गया है। घाट निर्माण व पचरीकरण किया गया है। लाइटिंग के लिए 9 पोल लगाए गए हैं जहां एलईडी लाइट लगाने की योजना है। रात में भी ग्रामीण बिना डर के यहां बैठ सकते हैं। सीमेंट के दो बड़े चबूतरों का निर्माण हो चुका है। ग्रामीणों को यहां गंदगी देखना पसंद नहीं बल्कि स्वच्छता में वे पंचायत का सहयोग करते हैं। रुर्बन मिशन के सब-इंजीनियर ललिता चंद्राकर ने बताया कि क्षेत्र के आधा दर्जन तालाबों को संरक्षित और संवर्धित करने की दिशा में प्रयास चल रहा है। लोहारसी, पोटियाडीह, खारतुमी जैसे गांवों के तालाबों का सौंदर्यीकरण किया गया है। मुजगहन के शीतला तालाब का जीर्णोद्धार हो रहा है। इसके लिए 19.38 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं। तालाब में गेबर सेल्टर, टावर प्लेट, घाट रिपेयरिंग, प्लांटेशन, लाइटिंग, ओवरफ्लो-इनफ्लो, एथलेटिक ट्रेक, सिटिंग ट्रेक जैसी अनेक सुविधाएं मुहैया कराना है। 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इस सत्र में अधूरा काम पूरा हो जाएगा।

खुश हैं ग्रामीण जीर्णोद्धार को लेकर

मुजगहन निवासी मुरली साहू, भीम साहू, फागूराम साहू, रिखीराम साहू, रामप्रसाद साहू का कहना है कि सौंदर्यीकरण जिले शहर के तालाबों के बारे में सुना था। हमारे गांव के तालाब का कायाकल्प कर सौंदर्यीकरण किया गया है। इससे हम सभी खासकर खुश हैं। लक्ष्मीनारायण साहू, मुजगहन साहू, रामनारायण साहू, रामकुमार ने कहा कि तालाब का जीर्णोद्धार होने से सुकून मिल रही है। समय निकाले हम सब यहां इकट्ठा होते हैं। सुबह-शाम निवासी करने खासकर यहां पहुंचते हैं।

मुजगहन ग्राम – ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र

- कुल लागत – रू. 14.17 लाख
- रूर्बन मद – रू. 8.09 लाख
- अभिसरण (मनरेगा) – रू. 6.08 लाख
- उददेश्य :– ग्राम को स्वच्छ रखना, ग्राम वासियों में स्वच्छता के प्रति अलख जगाना एवं महिलाओं को आजीविका प्रदान करना।

गीला एवं सूखा कचरा क्या है?
गीला कचरा
सूखा कचरा
कार्ड बोर्ड
पॉलिथीन
रबड़
कांच
कागज
चमड़ा
गल्ला
लोहा
प्लास्टिक
अंडा
मांस
बचा हुआ खाना
पेड़ पौधों के पत्ते
मछली
सब्जी और फलों के छिलके
हरा डिब्बा
गीला कचरा
नीला डिब्बा
सूखा कचरा
बचा हुआ खाना, सब्जियों एवं फलों के छिलके, अंडा, मांस, मछली, पेड़ों के पत्ते आदि.
कांच, कागज, लोहा, प्लास्टिक, रबड़, गल्ला, चमड़ा, पॉलिथीन, कार्ड बोर्ड, पुराना कपड़ा आदि.

नागरिक सूचना पटल
राष्ट्रीय रुर्बन मिशन
ग्राम पंचायत मुजगहन, वि.ख. धमतरी जि. धमतरी छ.ग.
1 स्वीकृत कार्य का नाम ..... लोन सबल एवं अपशिष्ट प्रबंधन शेड
2 कार्य स्वीकृत दिनांक 31-3-2017
3 कुल स्वीकृत राशि ..... 14.17 लाख
4 अभिसरण के तहत स्वीकृत राशि ..... 8.09 लाख / यो. का नाम मनरेगा
5 क्रियान्वयन एजेंसी ..... ग्राम पंचायत मुजगहन
6 कार्य का नियोजन विवरण-अशांश ..... देशान्तर
7 कार्य प्रारंभ दिनांक 1-5-2017
8 कार्य पूर्ण दिनांक 21-1-2018
9 वास्तविक व्यय ..... 14.038 लाख
10 संबंधित कार्य एजेंसी के मूल्यांकन कर्ता का नाम ..... हितकुमार सिन्हा
मो. नम्बर 9981399934

गीला एवं सूखा कचरा क्या है?
गीला कचरा
सूखा कचरा
हरा डिब्बा
नीला डिब्बा
लाल डिब्बा

समाचार प्रकाशन

ग्रामीणों के स्वास्थ्य की रक्षा करने की पहल

■ नवभारत समाचार | धमतरी.

ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन ग्राम विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है. बढ़ती आबादी के साथ-साथ जल एवं स्वच्छता की समस्याओं को पर्यावरण तथा स्थाई प्रबंधन की दृष्टि से विश्लेषण कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किये जाने पर ही विकास एवं संपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है. इसी परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में समन्वित रूप से ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु योजना के क्रियान्वयन का प्रावधान है जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत लोगों की स्वास्थ्य की रक्षा करना और उनके जीवन स्तर को उन्नत बनाना. पर्यावरण प्रदूषण को कम करना और ग्रामीण परिवेश को स्वच्छ रखना. ठोस एवं तरल अपशिष्ट के पुनः चक्रण एवं पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करना. ग्राम स्तर पर जैविक अपशिष्टों को खाद के रूप में परिवर्तित करना. ठोस तथा तरल अपशिष्ट प्रबंधन द्वारा ग्रामीण निर्धन वर्ग के रोजगार सृजित करना. रूर्बन क्लस्टर लोहरसी अंतर्गत आने वाले सभी 13 ग्राम पंचायत लोहरसी, मुजगहन, रत्नाबांधा, पोटियाडीह, खरतुली, परसतराई, अर्जुनी, खपरी, भानपुरी, तेलीनसत्ती, देमार, सेहराडबरी, संबलपुर में रूर्बन मद का उपयोग कर न केवल ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन एसएलडब्ल्यूएम केन्द्र निर्मित किया गया है अपितु कई महिलाओं को रोजगार का अवसर भी प्राप्त हुआ है. ग्रामीण क्षेत्रों में समन्वित रूप से ठोस एंव तरल अपशिष्ट प्रबंधन के बेहतर उद्देश्य को लेकर प्रोत्साहित किये जा रहे है. इन कार्यों के क्रियान्वयन हेतु सहभागी विधि से योजना निर्माण द्वारा ठोस एवं तरल दोनों घटकों का आवश्यकतानुसार समावेश करना होगा. प्रस्तावित सुझाव कम लागत के सरल और उपयुक्त तकनीक पर आधारित होना चाहिए. साथ ही साथ इस बात पर भी जोर दिया गया है, कि योजना की सतत निगरानी एवं निरीक्षण हेतु पंचायत क्षमता व स्वयं के संसाधन भी विकसित कर सके.

सीईओ ने किया अधिकारियों को निर्देशित

योजना निर्माण व उसके संधारण, रख-रखाव हेतु स्थानीय स्वसहायता समूह व समुदाय आधारित संगठनों की मदद भी ली जा सकेगी. इस बात का विशेष ध्यान रखने के लिए जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय दयाराम के. ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि महिलाओं तथा समुदाय के वंचित वर्गों कि न केवल योजना निर्माण में सक्रिय भागीदारी हो, अपितु उन्हें योजना का बराबर लाभ भी मिले. आगे उन्होंने सामुदायिक स्तर के कार्यों पर भी सहभागिता निभाने की बात कही जिसमें स्कूल, आंगनबाड़ी, सामुदायिक स्वच्छता परिसर, अस्पताल इत्यादि स्थानों ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य को आवश्यक रूप करायेंगे. पंचायत क्षेत्र में स्थित प्रमुख धार्मिक स्थल व मेला इत्यादि को भी इसमें शामिल किये जायेंगे.

पहल

- महिलाओं की सहभागिता से गांव में जागी स्वच्छता की अलख
- अपशिष्ट प्रबंधन ग्राम विकास का एक महत्वपूर्ण घटक

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में महिलाओं की सहभागिता

रूर्बन क्लस्टर के सभी ग्रामो मे पंचायत द्वारा चयनित स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा ट्राई-साईकिल के माध्यम से डोर टू डोर गीला कचरा, सूखा कचरा का संग्रहण कर श्रेणीवार वर्गीकरण किया जा रहा है. गीला कचरा के रूप मे गोबर, सब्जी, चारा, भूसा तथा सूखा कचरा के रूप में पेपर, खड्डा, कांच, कपड़ा, पालीथीन, प्लास्टिक आदि एकत्रित कर गांव की स्वच्छता मे भी विशेष भूमिका का निर्वहन कर रही है.

गांव को साफ सुथरा बना रहीं स्वसहायता समूह की महिलाएं

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा संग्रहण कर निबटान के साथ अन्य उपयोग में भी इस्तेमाल

धमतरी। नईदुनिया न्यूज

ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन ग्राम विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है। बढ़ती आबादी के साथ-साथ जल एवं स्वच्छता की समस्याओं को पर्यावरण तथा स्थाई प्रबंधन की दृष्टि से विश्लेषण कर योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर कचरे के निबटान के साथ इसका उपयोग भी किया जा सकता है।

रूर्बन क्लस्टर लोहरसी अंतर्गत आने वाले सभी 13 ग्राम पंचायत लोहरसी, मुजगहन, रत्नाबांधा, पोटियाडीह, खरतुली, परसतराई, अर्जुनी, खपरी, भानपुरी, तेलीनसत्ती, देमार, सेहराडबरी, संबलपुर में रूर्बन मद का उपयोग कर न केवल ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) केन्द्र निर्मित किया गया है अपितु कई महिलाओं को रोजगार का अवसर प्राप्त हो रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में समन्वित रूप से ठोस एंव तरल अपशिष्ट प्रबंधन के बेहतर उद्देश्य को लेकर प्रोत्साहित किया गया। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में महिलाओं की सहभागिता रूर्बन क्लस्टर के सभी ग्रामों में पंचायत द्वारा चयनित स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा ट्राईसाइकिल के माध्यम से डोर टू डोर गीला कचरा, सूखा कचरा एकत्रित किया जाता है। इसके बाद कचरों की छंटनी की जाती है। गीला कचरा के रूप में गोबर, सब्जी, चारा, भूसा तथा सूखा कचरा के रूप में पेपर, खड्डा, कांच, कपड़ा, पॉलीथिन, प्लास्टिक आदि एकत्रित कर गांव की स्वच्छता में भी विशेष भूमिका का निर्वहन कर रही है।

कचरा की छंटनी करती महिलाएं।

जिला पंचायत के सीईओ विजय दयाराम के ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि महिलाओं तथा समुदाय के वंचित वर्गों कि न केवल योजना निर्माण में सक्रिय भागीदारी हो, अपितु उन्हें योजना का बराबर लाभ भी मिले।

रूर्बन कलस्टर लोहरसी के 13 ग्राम पंचायत में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन शुरू

महिलाओं की सहभागिता ने गांव में स्वच्छता का अलख जगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धमतरी

ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन ग्राम विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है। बढ़ती आबादी के साथ-साथ जल एवं स्वच्छता की समस्याओं को पर्यावरण तथा स्थाई प्रबंधन की दृष्टि से विश्लेषण कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किये जाने पर ही विकास एवं संपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

रूर्बन क्लस्टर लोहरसी अंतर्गत आने वाले सभी 13 ग्राम पंचायत लोहरसी, मुजगहन, रत्नाबांधा, पोटियाडीह, खरतुली, परसतराई, अर्जुनी, खपरी, भानपुरी, तेलीनसत्ती, देमार, सेहराडबरी, संबलपुर में रूर्बन मद का उपयोग कर न केवल ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) केन्द्र निर्मित किया गया है अपितु कई महिलाओं को रोजगार का अवसर भी प्राप्त हुआ है।

इन कार्यों के क्रियान्वयन हेतु सहभागी विधि से योजना निर्माण द्वारा ठोस एवं तरल दोनों घटकों का आवश्यकतानुसार समावेश करना होगा। इसी तरह योजना निर्माण व उसके संधारण, रख-रखाव हेतु स्थानीय स्वसहायता समूह व समुदाय आधारित संगठनों की मदद भी ली जा सकेगी। इस बात का विशेष ध्यान रखने के लिए जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय दयाराम के. ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि महिलाओं तथा समुदाय के वंचित वर्गों की न केवल योजना निर्माण में सक्रिय भागीदारी हो, अपितु उन्हें योजना का बराबर लाभ भी मिले। आगे उन्होंने सामुदायिक स्तर के कार्यों पर भी सहभागिता निभाने की बात कही जिसमें- स्कूल, आंगनबाड़ी, सामुदायिक स्वच्छता परिसर, अस्पताल इत्यादि स्थानों ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य को आवश्यक रूप से कराए जाएंगे। पंचायत क्षेत्र में स्थित प्रमुख धार्मिक स्थल व मेला इत्यादि को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

जरूरतमंद महिलाओं को प्रदत्त ई–रिक्शा

- कुल लागत – रू. 1.90 लाख
- रूर्बन मद – रू. 1.10 लाख
- अभिसरण (श्रम विभाग) – रू. 50 हजार रूपये,
- स्वयं हितग्राहियों द्वारा – रू. 30 हजार

खबरों में आजीविका

रूर्बन मिशन के अनुदान से लोगों का जीवन संवर रहा

■ नवभारत समाचार | धमतरी.

मन में दृढ़ ईच्छा शक्ति हो हर कोई अपने संकल्पों को पूरा करने निकल पड़ता है. फिर सफर में उसे केवल मंजिल ही नजर आती है मिल का पत्थर वह नहीं देखता. कमोवेश ऐसा ही कुछ खिलेश्वरी साहू ने कर दिखाया. संसाधनों के अभाव में भी खुद को स्थापित करने का जज्बा रखने वालों को आखिर एक दिन सफलता मिल ही जाती है. मार्ग में कितनी भी बाधाएं क्यों न आए, जरूरत है अपने अंदर की छिपी प्रतिभा को तराशकर उसे उपयोग में लाने की. धमतरी विकासखंड के अंतर्गत राष्ट्रीय रूर्बन मिशन लोहरसी क्लस्टर के ग्राम पंचायत मुजगहन निवासी श्रीमती खिलेश्वरी साहू पर यह बात बिल्कुल सटीक बैठती है कि- समाज की उल-जलुल परम्परा को तोड़कर नकारात्मक दायरों से बाहर आकर हाथों में ई-रिक्षा का हैंडल थामें यात्रियों को लाने ले जाने में अपनी भूमिका निभा रही है साथ ही परिवार के भरण पोषण में पति के साथ बराबर की सहभागी बनी हुई है. ई-रिक्षा चालक

श्रीमती खिलेश्वरी साहू अपने बारे में बताती है कि पहले खेतीहर मजदूर के रूप में दूसरे के घर काम करती थी. एक दिन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के बारे में जानने-सुनने का अवसर मिला. बिहान के तहत समूह गठन एवं पुर्नगठन हेतु ग्राम मुजगहन में आईसीआरपी टीम के द्वारा योजना संबंधित जानकारी प्राप्त हुई. टीम के दीदीयों के द्वारा भी समूह में जुड़ने से होने वाले लाभ की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई. सत बहिनी महिला स्व सहायता समूह से जुड़कर अपनी आर्थिक जरूरतों की पूर्ति के लिए रूर्बन मिशन मद की सहायता से ई-रिक्षा प्राप्त किया. पुरूषों की भांति ई-रिक्षा चलाने का दृढ़ निश्चय किया और आज मैं अपने दायित्वों का भली भांति निर्वहन कर रही हूँ. राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के द्वारा महिलाओं को सशक्त व आत्म निर्भर बनाने हेतु स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए देना ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान देना आरसेटी से ई-रिक्षा चलाने हेतु 15 दिन का प्रशिक्षण प्राप्त किया. प्रशिक्षण उपरांत रोज सुबह नौ बजे से शाम छः बजे तक मुजगहन से रत्नाबांधा चौक, बस स्टैण्ड से जिला पंचायत धमतरी तक के यात्रियों को उनकी मंजिल पर पहुंचाती है. श्रीमति खिलेश्वरी साहू आगे बताती है कि शुरू-शुरू में ई-

पहल

- खिलेश्वरी के लिये बना ई-रिक्षा वरदान
- परिवार की गाड़ी खिंचना अब कठिन नहीं रहा

रिक्षा चलाने में झिझक होती थी लेकिन अपने आत्म विश्वास से लबरेज होकर हाथों में ई-रिक्षा के हैण्डल को ऐसे घुमाती है जैसे वह कई सालों से ई-रिक्षा चला रही हो. आजीविका संवर्धन हेतु ई-रिक्षा चालन से प्रतिदिन चार सौ से लेकर छः सौ रूपया तक की शुद्ध आमदनी हो रही है. खिलेश्वरी ने पुरूष समाज की परम्परा को तोड़ने में कामयाब तो रही साथ ही साथ ई-रिक्षा का चालन कर अपने दो छोटे बच्चे के भविष्य को बेहतर बनाने में एक जिम्मेदार माँ होने का फर्ज निभा रही है. तत्संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय दयाराम के ने महिलाओं को बढ़-चढ़ कर स्वरोजगार के क्षेत्र में सक्षम बनने की अपील की. जिससे कि वे अपने और परिवार की आर्थिक स्थिति संवार सके.

ई-रिक्शा चलाकर मिसाल पेश कर रही सुनीता

परिवार के कर्ज में डूबने पर लिया रिक्शा चलाने का निर्णय

धमतरी. बिहान योजना अंतर्गत निर्मित गंगा स्वसहायता समूह में सचिव के रूप में जुड़ी धमतरी विकासखंड के ग्राम पंचायत तेलीनसत्ती निवासी श्रीमती सुनीता गायकवाड़ न केवल समूह का दायित्व बखूबी निर्वहन कर रही बल्कि ई-रिक्शा चलाकर आत्मनिर्भर भी बनी. ज्ञात हो कि- श्रीमती सुनीता गायकवाड़ कक्षा सातवी तक पढ़ी हुई है. विवाह 2007 में तेलीनसत्ती के विनोद गायकवाड़ से हुआ. चूँकि परिवार में एकमात्र कमाने वाला विनोद मजदूरी का कार्य कर परिवार का भरण पोषण कर रहा था. एक बार सुनीता का स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया

जिससे परिवार कर्ज में डूब गया. स्वास्थय ठीक होने के बाद सुनीता अपने दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने लगी आजीविका चलाने हेतु दूसरे के घर मजूदरी का कार्य करती थी. परिवार की स्थिति को सुधारने के लिए पुरूषों को आटो चलाते देखकर आटो चलाने का निश्चय किया. इसी बीच राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के द्वारा महिलाओं को सशक्त करने उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए देना ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान देना आरसेटी धमतरी में चलाए जा रहे ई-रिक्शा प्रशिक्षण के बारे में जानकारी हुई. पंद्रह दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त कर ई-रिक्शा चलाने में सिद्धस्त सुनीता प्रतिदिन पांच सौ से सात सौ रूपये कमा लेती है. सुनीता ने आगे बताया कि छह वर्षीय बेटी है उन्हें अच्छे परवरिश के साथ अच्छी शिक्षा देने के लिए अंग्रेजी मिडियम स्कूल में दाखिला दिलाना चाहती है. गांव की अन्य महिलाओं को अपने परिवार की स्थिति सुधारने के लिए आजीविका गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी कर रही हैं. पुरूष की भांति ई-रिक्शा चलाकर महिला सशक्तीकरण का एक आदर्श के रूप में मिशाल प्रस्तुत कर रही है. जिला पंचायत के मुख्य कायर्पालन अधिकारी विजय दयाराम के. ने श्रीमती सुनीता गायकवाड़ की जज्बे की प्रशंसा करते हुए अन्य महिलाओं को भी उनसे प्रेरणा लेकर आत्मनिर्भर बनने पर जोर दिया.

जैविक कृषि : NPM दुकान ग्राम परसतराई

NPM दुकान परसतराई :–

- नीमास्त्र
- ब्रम्हास्त्र
- द्रव्य जीवअमृत
- घना जीवअमृत
- अग्नास्त्र
- खटा–मठ्ठा
- नीबु–अंडा की दवा
- बेलपत्ता की दवाई

बहुआयामी विकास

मछुआरों को मत्स्याखेट के लिए जाल खरीदने मिलेंगे 1 लाख रूपए

गांवों के समग्र विकास हेतु रूर्बन मिशन सक्रिय

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

जिला पंचायत सभा कक्ष में रूर्बन मिशन अंतर्गत आने वाले क्लस्टर लोहरसी एवं रामपुर में गांवों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना में संशोधन का निर्णय विजय दयाराम के. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत की उपस्थिति में लिया गया।

सीईओ जिला पंचायत ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में रूर्बन मिशन के अंतर्गत कार्य एवं गांव के समग्र विकास हेतु चयनित कार्यों को विस्तृत कार्ययोजना में सम्मिलित कर स्वीकृति उपरांत सुचारू रूप से कार्य संपादित करें।

शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कृषि, विद्युतीकरण, पेयजल व्यवस्था, वृक्षारोपण तथा सौंदर्यीकरण के कार्यों को विशेष रूप से केंद्रित करके कार्य करने कहा गया ताकि रूर्बन क्लस्टर के सभी गांव का समग्र विकास हो सके। तत्संबंध में कार्यों के लिए जारी रूर्बन मद के उपयोग संबंधी जानकारी का विवरण संबंधित विभाग द्वारा जिला कार्यालय को प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए तथा प्रशासकीय रूप से स्वीकृत कार्य जो अब तक प्रारंभ नहीं हो पाए हैं, अतिशीघ्र प्रारंभ कर पूर्ण करने के निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को दिए।

रामपुर क्लस्टर के अंतर्गत ऐसे पंजीकृत मछुआ सहकारी समितियां है जिन्हें मत्स्याखेट के लिए जाल की आवश्यकता होती है उन समितियों को विभाग द्वारा राशि एक लाख रूपये प्रति समिति के मान से दिया जाना है, का प्रस्ताव जिला कार्यालय को भेजने के निर्देश सीईओ जिला पंचायत ने दिये।

लोहरसी एवं रामपुर क्लस्टर में कृषि सेवाएं प्रसंस्करण और उससे संबंधित गतिविधियों के प्रमुख घटक कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, निर्माण, उन्नयन, नस्ल सुधार, दुग्ध संग्रहण केन्द्र, विद्युतीकरण, पशु चिकित्सा केन्द्र में स्वच्छता (शौचालय), चल पशु चिकित्सा इकाई के कार्य सुनिश्चित करने उपसंचालक पशुधन विकास विभाग को दिये।

महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि जो आंगनबाड़ी जर्जर हो चुके हैं, नए भवन के लिए तत्काल प्रस्ताव प्रेषित करें। मरम्मत कार्य, सौंदर्यीकरण, विद्युतीकरण एवं शौचालय निर्माण के कार्य रूर्बन मद एवं अभिसरण से करने कहा गया।

मेगा सोलर पॉवर प्लांट की स्थापना होगी

इसी तरह रूर्बन क्लस्टर अंतर्गत मेगा सोलर पॉवर प्लांट स्थापना कार्य हेतु स्थल चयन कर प्रस्ताव प्रेषित करने के संबंध में क्षेत्र विभाग एवं संबंधित जनपद पंचायत को स्थल उपलब्धता कराने निर्देशित किया। शुद्ध पेयजल हेतु सोलर पम्प के माध्यम से ऊर्जीकरण का भी प्रस्ताव प्रेषित करें तथा क्लस्टर अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का चयन कर स्वच्छ ईंधन हेतु परिवार मूलक बायोगैस संयंत्र निर्माण हेतु प्राक्कलन तैयार करने कहा गया तथा चौक-चौराहों में हाई मास्ट लाईट हेतु स्थापना का प्रस्ताव जिला कार्यालय को तत्काल भेजने के निर्देश क्षेत्र विभाग को दिये।

पोटियाडीह गौठान में हुआ वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

जनपद पंचायत धमतरी अंतर्गत स्थित ग्राम पंचायत पोटियाडीह में नवनिर्मित हमर गौठान में वृक्षारोपण का कार्य संपन्न हुआ, जिसमें प्रमुख रुप से ग्राम सरपंच श्रीमती उर्मिला साहू, सचिव भूपेश सिन्हा, पंच श्रीमती मंजू साहू, श्रीमती द्रोपति यादव, मोतीलाल सिन्हा, हेमंत ध्रुव, भूषण देवांगन, जनकल्याण सेवा समिति धमतरी के सह संरक्षक विजेंद्र देवांगन, अध्यक्ष गुड्डा रजक, हरीश चौबे, तेजपाल देवांगन, जितेंद्र यादव, तेजराम देवांगन, चंद्रकांत पटेल, मुकेश सिन्हा रोजगार सहायक के अलावा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्राम सरपंच श्रीमती साहू ने विश्व पर्यावरण दिवस पर हर एक व्यक्ति को वृक्षारोपण करने का संदेश देते हुए कहा कि अगर व्यक्ति अपने जीवन में एक पौधा रोपण करे तो यह पर्यावरण के लिए आने वाले समय में बहुत ही लाभदायक रहेगा। वातावरण को स्वच्छ रखने में वृक्ष का ज्यादा से ज्यादा रोपण करना अतिआवश्यक है। साथ ही साथ उनके द्वारा बरगद का पौधा लगाया गया। वहीं सचिव भूपेश सिन्हा ने उक्त कार्यक्रम को लगातार करने की प्रेरणा लेते हुए सभी ग्रामीण सदस्यों से वृक्षारोपण हेतु अपील की। साथ ही साथ उनके द्वारा नीम का पौधा लगाया गया। वहीं जन कल्याण सेवा समिति के सह संरक्षक विजेंद्र देवांगन ने उक्त कार्यक्रम की सराहना करते हुए वृक्षारोपण का कार्य पूरे जिले भर में मानसून के चलते होने की अपील की है। उक्त कार्यक्रम की सराहना करते हुए ग्राम पोटियाडीह के समस्त सदस्यों को बधाई प्रेषित की है। साथ ही साथ उनके द्वारा पीपल का पौधा रोपण किया गया।

भारत सरकार की टीम द्वारा राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के कार्यों का किया गया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

उप सचिव (वित्त) ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार मामचंद द्वारा जिले के सांसद आदर्श ग्राम चर्रा, पीएमजीएसवाय, एनआरएलएम एवं राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के विभिन्न कार्यों का अवलोकन किया गया। उन्होंने पंचायत भवन चर्रा में ग्राम के विकास योजना (व्हीडीपी) की समीक्षा की। पंचायत द्वारा स्वयं के आय से 19.85 लाख का पंचायत भवन निर्माण कराया गया है, जिसकी प्रशंसा की गई। सांसद आदर्श ग्राम चर्रा में मनरेगा और मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के अभिसरण से कुल राशि 51.09 लाख रूपये से निर्मित मिनी स्टेडियम का अवलोकन किया गया।

देवी महिला कलस्टर संगठन चर्रा में एसएचजी से जुड़ी महिलाओं से चर्चा उपरांत आजीविका गतिविधि के बारे में जानकारी ली तथा निर्मित उत्पादों का अवलोकन भी किया गया। निर्मित उत्पादों के विक्रय के लिए मार्केटिंग एवं बाजार उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया। सरस मेला दिल्ली में उत्पादों के विक्रय हेतु एसएसजी को आमंत्रित करने की बात कही।

रूर्बन कलस्टर रामपुर के तहत नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी योजनांतर्गत ग्राम पंचायत हंचलपुर में निर्माणाधीन मॉडल गोठान एवं स्टॉपडेम का अवलोकन किया गया तथा निर्माणाधीन कार्यों की प्रशंसा की। देना आरसेटी भवन में वृक्षारोपण कर रूर्बन मिशन अंतर्गत आबंटित ई-रिक्शा के महिला चालकों एवं आरसेटी से कौशल ट्रेनिंग प्राप्त कर कुशल उद्यमी बने छात्रों से मुलाकात की गई।

पोटियाडीह में रूर्बन मिशन द्वारा 1200 मीटर के एक्वाडक्ट का निर्माण कराया जा रहा है जिससे 118 किसानों के लगभग 125 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि को सिंचित किया जाएगा, के कार्य की प्रशंसा की साथ ही उच्चस्तरीय जलागार से लगभग 710 परिवारों को पेयजल पहुंचाने के लिए रूर्बन मिशन की महती पहल की सराहना की। भ्रमण के दौरान रूर्बन विशेषज्ञ हरीश गोस्वामी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमतरी, कुरूद, एसडीओ, पीएमजीएसवाय, सांख्यिकी अधिकारी, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव उपस्थित थे।

उप सचिव ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन को देखा

धमतरी। नईदुनिया न्यूज

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के उप सचिव (वित्त) माम चंद ने जिले के सांसद आदर्श ग्राम चर्रा, पीएमजीएसवाय, एनआरएलएम एवं राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के विभिन्न कार्यों का अवलोकन किया गया। उन्होंने पंचायत भवन चर्रा में ग्राम के विकास योजना (वीडीपी) की समीक्षा की।

वीडीपी अनुसार ग्राम चर्रा में वित्तीय मद में 04 कार्य, लागत राशि 52.78 लाख का कार्य एवं गैर वित्तीय मद में 47 कार्य पूर्ण किया गया है। इन कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। पंचायत द्वारा स्वयं के आय से 19.85 लाख का पंचायत भवन निर्माण कराया गया है, जिसकी प्रशंसा की। सांसद आदर्श ग्राम चर्रा में मनरेगा और मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत 51.09 लाख रुपये से निर्मित मिनी स्टेडियम का अवलोकन किया गया। निर्मित मिनी स्टेडियम में पौधरोपण करने एवं 21 जून 2019 को योग दिवस मनाने के निर्देश दिए। देवी महिला कलस्टर संगठन चर्रा में एसएचजी से जुड़ी महिलाओं से चर्चा कर आजीविका गतिविधि के बारे में जानकारी ली तथा निर्मित उत्पादों का अवलोकन भी किया। उप सचिवों ने निर्मित उत्पादों का विक्रय के लिए मार्केटिंग एवं बाजार उपलब्ध कराने के निर्देशित किया। सरस मेला दिल्ली में उत्पादों के विक्रय के लिए एसएसजी को आमंत्रित करने की बात कही। राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के हितग्राही पंचू राम पुत्र गोवर्धन सिन्हा ग्राम चर्रा निवासी के घर जाकर कुशलक्षेम पूछकर पेंशन मिलने की जानकारी ली। हितग्राही ने नियमित रूप से बैंक द्वारा 350 रुपये पेंशन मिलने की बात कही। भ्रमण के दौरान रूर्बन विशेषज्ञ हरीश गोस्वामी, जनपद सीईओ कुरूद, एसडीओ, पीएमजीएसवाय, सांख्यिकी अधिकारी, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव उपस्थित थे।

विकास कार्यों का जायजा लेते भारत सरकार के उप सचिव। ● नईदुनिया

धन्यवाद